Exam. Code: 0007
Sub. Code: 0606

1128

B.A./B.Sc. (Hons.)-3rd Semester

Paper: Hindi

Time allowed: 3 Hours | Max. Marks: 90

नोटः— निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दें।

-*-*-*-

१. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करते हुए काव्य–सौन्दर्य भी स्पष्ट करें:–

(क) कोपि दसकंध तब प्रलय–पयोद बोले,
रावण–रजाइ धाए आइ जूथ जोरि कै।
कहयो लंकपति लंक बरत, बुताओ बेगि,
बानरु बहाइ मारौ महाबारि बोरि कै।।
'भले नाथ!' नाइ माथ चले पाथप्रदनाथ,
बरषैं मुसलधार बार–बार घोरि कै।
जीवन तें जागी आगी, चपरि चौगुनी लागी,
'तुलसी' भभरि मेघ भागे मुख मोरि कै।।

अथवा

हाट–बाट, कोट–ओट, अगनि, अगार, पौरि,
खोरि–खोरि दौरि–दौरि दीन्ही अति आगि है।
आरत पुकारत, संभारत न कोऊ काहू,
व्याकुल जहाँ सो तहाँ लोक चले भागि हैं।।
बालधी फिरावै, बार–बार झहरावै, झरैं
बुंदिया–सी लंक पघिलाइ पाग पागिहै।
'तुलसी' बिलोकि अकुलानी जातुधानीं कहैं,
चित्रहू के कपि सों निसाचरु न लागि है।।

(ख) लक्ष्मी नहीं, सर्वस्य जावे, सत्य छोड़ेगे नहीं,
अन्धे बने पर सत्य से संबंध तोड़ेगें नहीं।
निज सुत–मरण स्वीकार है पर वचन की रक्षा कहे,
है कौन जो उन पूर्वजों के शील की सीमा कहे?
सर्वस्य करके दान जो चालीस दिन भूखे रहे?
अपने अतिथि–सत्कार में फिर भी न जो रूखे रहे।
पर–तृप्तिकर निज तृप्ति मानी रन्ति देव नरेश ने,
ऐसे अतिथि–सन्तोष–कर पैदा किये किस देश ने?

अथवा

Contd.....P/2

आती विदेशों से यहाँ सब वस्तुएँ व्यवहार की,
धन–धान्य जाता है यहाँ से, यह दशा व्यापार की।
कैसे न फैले दीनता, कैसे न हम भूखों मरे;
ऐसी दशा में देश की भगवान ही रक्षा करे।।
जिस वस्तु को हम दूसरों को बेचते हैं एक में,
लेते उसी को 'बीस' में हैं डूबकर अविवेक में,
जो देश कच्चा माल ही उत्पन्न करके शान्त है,
उसका पतन एकान्त है, सिद्धान्त यह निर्भ्रान्त है।। (२×१२)

२. तीन समीक्षात्मक प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक काव्य–कृति में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है:–

(क) 'कवितावली' के काव्य–सौन्दर्य को सोदाहरण प्रस्तुत करें।

अथवा

'सुंदरकाण्ड' में वर्णित हनुमान के विभिन्न कौतुकों को उदाहरण–सहित प्रस्तुत करें।

(ख) 'भारत–भारती' के तीनों खण्डों का संक्षिप्त सार लिखें।

अथवा

मैथिलीकरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालें।

(ग) 'कवितावली' के काव्य–रूप को संक्षेप में विवेचित करें।

अथवा

मैथिलीशरण गुप्त की राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालें। (१८+१८+१८)

३. राष्ट्रभाषा हिन्दी के स्वरूप एवं महत्व की विवेचना करें। (१२)

-*-*-*-